

"आप अपना सिर गर्व से ऊंचा करते हुए वापस लौट सकते हैं। हम आखिरी के दो मैच भी जीतना चाहते थे, लेकिन कई बार चीजें हमारे पक्ष में नहीं होती हैं, अब यह वनडे और टेस्ट टीम पर है कि वह वहां से शुरुआत करें जहां से आपने छोड़ा है।" - गौतम गंभीर

भारतीय कोच गौतम गंभीर आगामी मैचों को लेकर बयान देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



काजल धोचक

भारतीय महिला पहलवान काजल धोचक ने 18 साल की उम्र में उन्होंने कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। कजाकिस्तान के अस्ताना में पिछले बुधवार को 76 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में पहुंचकर काजल ने यह उपलब्धि हासिल की। वह इस प्रतियोगिता के भारी वजन वर्ग में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गई हैं। इसके बावजूद काजल की यह उपलब्धि भारतीय कुश्ती के लिए खास है। यह विश्व चैंपियनशिप के इतिहास में भारत का तीसरा रजत पदक है और भारी वजन वर्ग में देश का पहला पदक भी है।

हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद ने 1926 से 1949 के बीच मात्र 185 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 570 गोल किए थे। उनका प्रति मैच गोल औसत (3.08) दुनिया में सबसे अधिक है।

पीवी सिंधु ने फिर लहराया तिरंगा

डेनमार्क की लाइन होजमार्क को हराकर हाइलो ओपन का खिताब जीता



नई दिल्ली, 2 नवम्बर। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधुने एक बार फिर अपने खेल का दम दिखाते हुए भारतीय बैडमिंटन फैंस को खुश होने का मौका दिया है। शानदार फॉर्म में चल रही सिंधु ने 1 नवंबर को हाइलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल में उन्होंने डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजेरफेल्ट को सीधे गेमों में हराकर इस सीजन की दूसरी ट्रॉफी अपने नाम की। इससे पहले जुलाई में उन्होंने जापान ओपन का खिताब भी जीता था।

पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु ने फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही अपनी प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा। दुनिया की आठवें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने 39 मिनट तक चले खिताबी मुकाबले में दुनिया की 25वें नंबर की डेनिश खिलाड़ी को 21-12, 21-14 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने अपनी शानदार स्ट्रोक-प्ले, कोर्ट पर नियंत्रण और बेहतरीन नेट गेम के दम पर एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ सिंधु को 9200 रैंकिंग पॉइंट भी मिले हैं। इससे सीजन के अंत में होने वाले वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदों को मजबूती मिली है। गौरतलब है कि सिंधु पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंची थीं, जहां उन्हें उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा था। हालांकि, हाइलो ओपन में उन्होंने खिताबी मुकाबले में कोई गलती नहीं की। फाइनल से पहले सिंधु का डेनमार्क की लाइन के खिलाफ रिकॉर्ड भी काफी बेहतर था। दोनों के बीच अब तक हुए मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ी ने 6 बार जीत दर्ज की थी, जबकि डेनिश खिलाड़ी को केवल एक जीत मिली थी। यह इकलौती जीत लाइन ने 2025 सुदीरमन कप फाइनल्स में हासिल की थी।

सिंधु ने पहला गेम 21-12 से जीता: खिताबी मुकाबले के पहले गेम में सिंधु ने क्रॉस कोर्ट विनर के साथ शानदार शुरुआत की। हालांकि, कुछ गलतियों के कारण लाइन ने स्कोर 3-3 से बराबर कर लिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने अपनी चतुराई भरी शॉट चयन और तेज नेट प्ले से बढ़त बनानी शुरू की। ब्रेक तक सिंधु 11-8 से आगे थीं। इसके बाद उन्होंने लगातार पॉइंटजुटाते हुए स्कोर 17-12 तक पहुंचाया और पहला गेम 21-12 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में भी दिखा दबदबा: दूसरे गेम में भी सिंधु का दबदबा जारी रहा। उन्होंने कोर्ट पर जगह बनाकर लगातार विनर लगाए और जल्द ही 6-3 की बढ़त हासिल कर ली। लाइन ने वापसी की कोशिश करते हुए स्कोर 6-7 किया, लेकिन सिंधु ने फिर अपनी लय पकड़ ली। डेनमार्क की खिलाड़ी नेट पर लगातार गलतियां करती रहीं, जिसका भारतीय शटलर ने पूरा फायदा उठाया। सिंधु ने 17-11 की बढ़त बनाने के बाद मैच में 6 चैंपियनशिप पॉइंट हासिल किए और लाइन की एक और गलती के साथ 21-14 से गेम जीतकर खिताब पर कब्जा कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी राइजिंग स्टार एशिया कप की टीम में

नई दिल्ली, 2 नवम्ब। बीसीसीआई ने 2 नवंबर को राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय इंडिया-ए टीम घोषित की। तिलक वर्मा को कप्तान और रजत पाटीदार को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। टूर्नामेंट 19 से 29 नवंबर तक कतर की राजधानी दोहा में खेला जाएगा। भारत अपना पहला मैच 20 नवंबर को नेपाल के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 22 नवंबर को पाकिस्तान-ए और 24 नवंबर को यूएई से मुकाबला होगा।

राइजिंग स्टार एशिया कप एशियन क्रिकेट काउंसिल एसीसी का टूर्नामेंट है। इसे पहले इमर्जिंग टीम एशिया कप के नाम से जाना जाता था। इसका मकसद एशिया की उभरती क्रिकेट प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अनुभव देना है। इसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान जैसे देशों की ए टीमें हिस्सा लेती हैं। आसान भाषा में समझें तो ए टीम सीनियर राष्ट्रीय टीम के ठीक नीचे का स्तर है। इस बार टूर्नामेंट 50 ओवर के फॉर्मेट में होगा। पिछले साल यह टूर्नामेंट टी-20 फॉर्मेट में खेला गया था।

स्विट्जरलैंड में राजस्थान के तीरंदाजों का जलवा

प्रिया गुर्जर और सचिन चेची ने जीते रजत पदक



जयपुर, 2 नवम्बर। स्विट्जरलैंड के लॉज़ेन में 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आयोजित स्विस ओपन आर्चरी टूर्नामेंट में राजस्थान के तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो रजत पदक जीते। जयपुर की प्रिया गुर्जर ने रजत पदक हासिल कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया, वहीं सचिन चेची ने अंडर-21 वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ी जयपुर स्थित एडवांस आर्चरी अकादमी में प्रशिक्षक सुनील चौधरी के मार्गदर्शन में अभ्यास करते हैं। राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान के खिलाड़ियों की यह उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने प्रशिक्षक सुनील चौधरी और अकादमी को भी बधाई दी तथा खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन, रचिन रवींद्र वनडे सीरीज से बाहर





नई दिल्ली, 2 नवम्बर। न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि दोनों खिलाड़ी चोटों से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। चैपमैन बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे हैं। जबकि प्रमोशनल शूट के दौरान रचिन रवींद्र का दायां कंधा डिसलोकेट हो गया था। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज 4 नवंबर से ऑकलैंड में शुरू होगी।

कोच बोले- टेस्ट सीरीज से पहले जोखिम नहीं ले सकते: मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, 'हर कोई जानता है कि मार्क और रचिन इस टीम के लिए कितने अहम हैं। उनका इस सीरीज में नहीं खेलना दुखद है। 'उन्होंने कहा, 'मैं पिछले हफ्ते मार्क से मिला था। वह निराश हैं, लेकिन मैदान पर लौटने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।'

रॉब वॉल्टर ने कहा, 'रचिन का कंधा अभी उस स्थिति में पूरी तरह नहीं आया है, जिसमें वह सफेद गेंद की क्रिकेट में आराम से फील्डिंग कर सकें।' उन्होंने कहा, 'इस महीने के आखिर में टेस्ट सीरीज भी है। इसलिए हम कोई अनावश्यक जोखिम नहीं लेना चाहते।'

न्यूजीलैंड टीम में बदलाव किए, निकोल्स-फॉक्सक्रॉफ्ट को बुलाया: विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट को पहले तीन के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्हें सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए पहले ही चुना गया था। बाएं हाथ के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स और ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को भी टीम में बुलाया गया है। निकोल्स पहले तीन के लिए टीम में रहेंगे। फॉक्सक्रॉफ्ट आखिरी दो मैचों के लिए टीम से जुड़ेंगे।

मैट फिशिर शुरुआती 3 वनडे के लिए टीम: तेज गेंदबाज मैट फिशर भी पहले तीन मैचों के लिए टीम में शामिल किए गए हैं। उन्हें शुरुआत में केवल आखिरी दो मैचों के लिए चुना गया था। मैट हेनरी दाएं क्वाड्रिसेप में मामूली चोट के कारण आखिरी तीन 20 नहीं खेल पाए थे।

रणजी मैच के पहले दिन गिरे 20 विकेट, राजस्थान ने की शानदार वापसी

साहिल दीवान ने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए झटके पांच विकेट, अनिकेत चौधरी और दानिश भाम्भू ने भी बरपाया कहर

जयपुर, 2 नवंबर। धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के बीच सोमवार से शुरू हुए रणजी ट्रॉफी मुकाबले के पहले दिन गेंदबाजों का दबदबा रहा। दिनभर में दोनों टीमों की पहली पारियों में कुल 20 विकेट गिरे। पहली पारी में महज 78 रन पर सिमटने के बाद राजस्थान ने तेज गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी के दम पर मुकाबले में जोरदार वापसी की। राजस्थान रणजी टीम के मीडिया मैनेजर मनीष शर्मा के अनुसार, राजस्थान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 78 रन पर ऑलआउट हो गई। करण लांबा ने सर्वाधिक 24, महिपाल लोमरोड़ ने 20 और कुणाल सिंह राठौड़ ने 12 रन बनाए। हिमाचल की ओर से अभिषेक कुमार ने पांच और जितेंद्र ने तीन विकेट लिए। जवाब में हिमाचल प्रदेश की टीम भी राजस्थान के गेंदबाजों के सामने ज्यादा देर टिक नहीं सकी और पहली पारी में 153 रन पर सिमट गई। अंकुश बैंस ने 56 और पुखराज मान ने 42 रन बनाए। राजस्थान की ओर से साहिल दीवान ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 50 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। अनुभवी तेज गेंदबाज अनिकेत चौधरी ने 33 रन देकर तीन तथा दानिश भाम्भू ने 63 रन देकर दो विकेट चटकाए। विकेटकीपर कुणाल सिंह राठौड़ के साथ करण लांबा, रोहन राजभर और सचिन यादव ने शानदार कैच पकड़कर गेंदबाजों का अच्छा साथ दिया। पहली पारी में 75 रन की बढ़त गंवाने के बाद राजस्थान ने दूसरी पारी में दिन का खेल समाप्त होने तक बिना विकेट खोए आठ रन बना लिए थे। इस तरह दूसरे दिन राजस्थान की नजरें बढ़त हासिल कर हिमाचल के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखने पर रहेंगी।

बड़ौदा ने राजस्थान महिला टीम को 60 रन से हराया: सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी में बड़ौदा ने राजस्थान को 60 रन से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ौदा ने सात विकेट पर 159 रन बनाए। आतोशी ने 36 और पूनम ने 33 रन का योगदान दिया। राजस्थान की ओर से रिंकू टांक ने चार तथा शानू सेन ने दो विकेट लिए। जवाब में राजस्थान की टीम 99 रन पर ऑलआउट हो गई। संगीता कुमावत ने 40, तनुजा वैष्णव ने 19 और हैप्पी कुमारी ने 15 रन बनाए। बड़ौदा की ओर से राधा यादव, रिद्धि और पूनम ने दो-दो विकेट लिए।

आरसीए सीनियर टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी 4 नवंबर से : राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की ओर से सीनियर पुरुष टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी के मुकाबले 4 से 6 नवंबर तक जयपुर के जयपुरिया ग्राउंड पर खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में चार टीमें ए, बी, सी और डी हिस्सा लेंगी।

टीम ए की कप्तानी अभिजीत तोमर, टीम बी की राहुल चाहर, टीम सी की मोहित चांगड़ा और टीम डी की सुमित गोदारा करेंगे। प्रतियोगिता में दीपक चाहर सहित प्रदेश के कई प्रमुख खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे।

अंडर-19 दो दिवसीय चैलेंजर प्रतियोगिता

दौसा के गौरांश जैमन और आदित्य भट्ट का चयन

दौसा, 2 नवम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ की ओर से 2 नवंबर से जयपुर में आयोजित हो रही अंडर-19 दो दिवसीय चैलेंजर क्रिकेट प्रतियोगिता में दौसा जिले के दो खिलाड़ियों गौरांश जैमन और आदित्य कुमार भट्ट का चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ियों को टीम-एफ में शामिल किया गया है जिला क्रिकेट संघ दौसा के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि प्रतियोगिता में राजस्थान के करीब 80 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इसमें शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर बीसीसीआई की ओर से आयोजित वीनू मांकड़ ट्रॉफी के लिए राजस्थान टीम का चयन किया जाएगा। दौसा के दोनों खिलाड़ियों के चयन पर जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अजीम गोल्ड कपः जयवर्धन सिंह ओर वरुण के शतक

राजस्थान यूथ अकादमी 266 रन से जीती, रेलवे क्रिकेट अकादमी भी विजयी





जयपुर, 2 नवम्बर । रेलवे क्रिकेट ग्राउंड पर चल रहे अजीम गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता में राजस्थान यूथ अकादमी ने एससी क्रिकेट क्लब को 266 रन से करारी शिकस्त दी, जबकि दूसरे मुकाबले में रेलवे क्रिकेट अकादमी ने एमी क्रिकेट अकादमी को पांच विकेट से हराया।पहले मुकाबले में राजस्थान यूथ अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट पर 307 रन बनाए। टीम की ओर सेजयवर्धन सिंह ने 133 रन की शानदार शतकीय पारीखेली। इसके अलावा मोहित भक्तानी ने 82 और कुणाल गौतम ने नाबाद 54 रन बनाए।

एससी क्रिकेट क्लब की ओर से सयिम शाहिद अब्बास ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एससी क्रिकेट क्लब की टीम 9.2 ओवर में 41 रन पर ऑलआउट हो गई। सोहेल खान ने सर्वाधिक 10 रन बनाए। राजस्थान यूथ अकादमी की ओर से मेहुल पारीक ने पांच विकेट तथा एसी और अर्जुन ऋषि ने दो-दो विकेट लिए। जयवर्धन सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मुकाबले में एमी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 203 रन बनाए। टीम की ओर सेवरुण ने नाबाद 105 रन की शतकीय पारीखेली, जबकि वाहिद ने 50 रन बनाए।

रेलवे क्रिकेट अकादमी की ओर से सचिन मालव ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए रेलवे क्रिकेट अकादमी ने 19.2 ओवर में 5 विकेट पर 207 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। सचिन मालव ने 55, गौरव मीणा ने 50 और हैदर राशिद ने 37 रन का योगदान दिया। एमी क्रिकेट अकादमी की ओर से मनीष बड़वाल ने दो विकेट लिए। सचिन मालव को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

20 साल के एंटोनेली सबसे युवा फॉर्मूला-1 वर्ल्ड चैंपियन बने

73 साल बाद इटली को मिला चैंपियन



नई दिल्ली 2 नवम्बर। मर्सिडीज के ड्राइवर किमी एंटोनेली 20 साल की उम्र में फॉर्मूला-1 के सबसे युवा वर्ल्ड चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने रविवार को मैक्सिको सिटी ग्रां प्री में तीसरा स्थान हासिल कर 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले, जर्मनी के सेबेस्टियन वेटल ने 2010 में 23 साल और 133 दिन की उम्र में अपना पहला 1 वर्ल्ड टाइटल जीता था। वे 1953 के बाद 1 चैंपियन बनने वाले इटली के पहले ड्राइवर भी हैं। एंटोनेली ने अपने दूसरे ही सीजन में यह खिताब जीता और चार रेस बाकी रहते चैंपियनशिप अपने नाम कर ली।

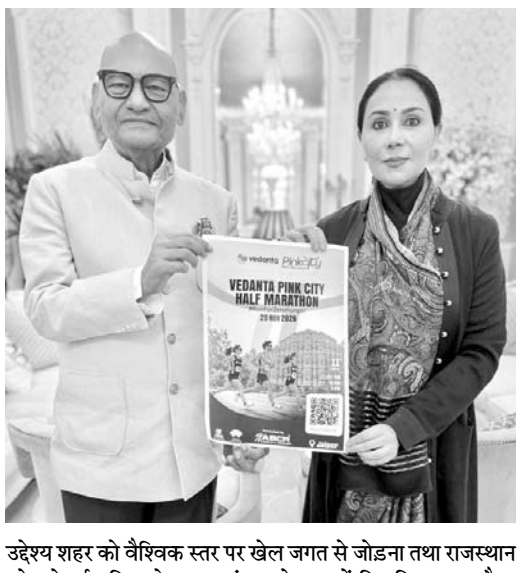
चार रेस बाकी रहते ही चैंपियन बने: एंटोनेली ने अपने दूसरे ही सीजन में यह कारनामा कर दिखाया। वे चार रेस बाकी रहते ही चैंपियन बन गए। मैक्सिको सिटी ग्रां प्री में एंटोनेली तीसरे स्थान पर रहे। मैक्स वेरस्टैपेन ने रेस जीती, जबकि लुईस हैमिल्टन दूसरे स्थान पर रहे। चैंपियन बनने के बाद एंटोनेली अपनी भावनाएं नहीं रोक सके। उन्होंने टीम से कहा, हमने कर दिखाया, हमने कर दिखाया। पोडियम पर भी उनकी आंखों में आंसू थे।

पहले 6 में से 5 रेस जीतीं: एंटोनेली का इस सीजन में प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने जापान ग्रां प्री के बाद ड्राइवर चैंपियनशिप में बढ़त बनाई थी। इसके बाद पहले 6 में से 5 रेस जीतीं। मैक्सिको पहुंचने तक उनके नाम 9 ग्रां प्री जीत थीं। उनके सीजन का सबसे यादगार प्रदर्शन इटली के मोन्जा में आया। यहां उन्होंने 19वें नंबर से शुरुआत करने के बावजूद रेस जीती।

आईपीएल 2027ः रिटेंशन की डेडलाइन 2 दिन बढ़ी, ऑक्शन 16 दिसंबर

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। बीसीसीआई ने 2027 मिनी ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखने और रिलीज करने की तारीख दो दिन बड़ा दी है। अब सभी 10 फ्रेंचाइजी 17 नवंबर तक अपनी लिस्ट सौंप सकेंगी। पहले इसकी आखिरी तारीख 15 नवंबर थी। ऑक्शन की तारीख और जगह में कोई बदलाव नहीं किया गया है। खिलाड़ियों की नीलामी 16 दिसंबर को गोवा में ही होगी। यह फैसला भारत और न्यूजीलैंड के बीच 15 नवंबर को होने वाले पांचवें और आखिरी वनडे मैच को देखते हुए लिया गया है। यह मुकाबला न्यूजीलैंड के माउंट माउंगानुई स्थित बे ओवल मैदान पर खेला जाएगा। आईपीएल में हर टीम के पास खिलाड़ियों का एक स्क्वॉड होता है। नए सीजन से पहले फ्रेंचाइजी तय करती हैं कि मौजूदा खिलाड़ियों में से किन्हें अपने साथ रखना है और किन्हें टीम से बाहर करना है। अपने पास बनाए रखने की प्रक्रिया को रिटेंशन और टीम से बाहर करने को रिलीज कहते हैं। उदाहरण के तौर पर, किसी टीम के पास एक अच्छा ओपनर है, जो लगातार रन बना रहा है।

अनिल अग्रवाल व दीया कुमारी ने लंदन में "पिंक सिटी हाफ मैराथन" का पोस्टर जारी किया



जयपुर, 2 नवंबर । वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन के 11वें संस्करण का पोस्टर लंदन में वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल एवं राजस्थान की माननीय उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी द्वारा लॉन्च किया गया। यह मैराथन 29 नवंबर 2026 को जयपुर में आयोजित होगी, जिसमें देश-विदेश के पेशेवर एथलीट, रनिंग के शौकीन और फिटनेस प्रेमी बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

लंदन में पोस्टर विमोचन के साथ वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाने तथा जयपुर को अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पिछले वर्षों में यह मैराथन रनिंग, फिटनेस और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाले एक प्रतिष्ठित आयोजन के रूप में उभरी है। इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण वेदांता की (भूखमुक्ति के लिए दौड़) पहल है, जो श्री अनिल अग्रवाल के उस संकल्प से प्रेरित है कि कोई भी बच्चा भूखा न सोए। इस अभियान के तहत दौड़े गए प्रत्येक किलोमीटर के बदले वेदांता की ओर से एक जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध कराने का संकल्प लिया गया है। यह पहल अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों और पशुओं की सहायता करती है।

यह अभियान की प्रमुख पहल नंद घर को भी सहयोग प्रदान करता है। नंद घर के अंतर्गत देश के 18 राज्यों में 16,000 से अधिक आधुनिक आंगनवाड़ियों का नेटवर्क विकसित किया गया है, जहां बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही महिलाओं को कौशल विकास एवं स्वरोजगार के अवसरों से भी जोड़ा जाता है।इस अभियान की संवेदनशीलता और सेवा भावना का विस्तार वेदांता की पशु कल्याण पहल द एनिमल केयर ऑर्गनाइजेशन तक भी है। पशु कल्याण को इस अभियान से जोड़कर वेदांता ने सभी जीवों के प्रति करुणा, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के अपने संकल्प को और मजबूत किया है।

वर्ष 2026 का यह संस्करण जयपुर को अंतरराष्ट्रीय डिस्टेंस रनिंग के मानचित्र पर और मजबूत पहचान दिलाने के प्रयासों के अनुरूप भी है। एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन्स एंड डिस्टेंस रेस वर्ल्ड कांग्रेस 2028 को जयपुर में आयोजित करने की पहल का उद्देश्य शहर को वैश्विक स्तर पर खेल जगत से जोड़ना तथा राजस्थान को स्पोर्ट्स टूरिज्म के प्रमुख गंतव्य के रूप में विकसित करना है।

एबीसीआर द्वारा आयोजित एवं फिनोवा कैपिटल के पावर्ड बाय सहयोग से आयोजित वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन के 11वें संस्करण में तीन श्रेणियां होंगी-21.1 किलोमीटर हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर कूल रन और 5 किलोमीटर ड्रीम रन। 'रनिंग सबके लिए है' के अपने मूल दर्शन के अनुरूप यह आयोजन हर आयु वर्ग और फिटनेस स्तर के लोगों को इसमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह आयोजन स्वास्थ्य, फिटनेस और सामुदायिक सहभागिता की भावना का एक समावेशी उत्सव है।

वेदांता, अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के माध्यम से वेदांता स्पोर्ट्स के जरिए जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खेलों में जनभागीदारी बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य प्रतिभाओं को निखारना, खिलाडियों को व्यवस्थित खेल सुविधाएं एवं अवसर उपलब्ध कराना और देशभर में सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देना है।

जूनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप में राजस्थान ने जीते 18 पदक

टीम चैंपियनशिप में भी हासिल की ट्रॉफी



जयपुर, 2 नवम्बर। चेन्नई (तमिलनाडु) में 28 अक्टूबर से 2 नवंबर तक आयोजित 25वीं जूनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप में राजस्थान की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 18 पदक अपने नाम किए। राजस्थान के खिलाड़ियों ने 3 स्वर्ण, 8 रजत और 7 कांस्य पदक जीते। राजस्थान वुशु संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया ने बताया कि प्रतियोगिता में राजस्थान की बालक टीम ने 2 स्वर्ण, 1 रजत और 5 कांस्य पदक जीतकर टीम चैंपियनशिप में द्वितीय स्थान की ट्रॉफी हासिल की। वहीं, सांडा बालिका वर्ग की टीम ने 1 स्वर्ण और 3 रजत पदक जीतकर तृतीय स्थान की ट्रॉफी अपने नाम की। स्वर्ण पदक विजेताओं में सुनील (75 किग्रा), रिया सिंह (75 किग्रा) और धर्मेंद्र फोगाट (85 किग्रा) शामिल हैं। रजत पदक विजेताओं में हरिशंकर माली, आराध्या पुनिया, प्रियाशी गौतम, समीक्षा चौधरी, रिद्धिमा भाटी और अन्य खिलाड़ी शामिल रहे। कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में दुष्यंत सिंह गुर्जर, खुशदीप, मनोज कुमार, मनीष, प्रिंस शर्मा और देव पारिक सहित अन्य खिलाड़ी शामिल हैं।

भारत के लक्ष्य सेन ने दूसरी बार जीता हाइलो ओपन का खिताब



नई दिल्ली, 2 नवम्बर। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने आखिरकार इस सीजन अपने खिताबी सूखे को खत्म कर दिया। वर्ल्ड रैंकिंग में 14वें नंबर पर काबिज लक्ष्य ने हाइलो ओपन के फाइनल में इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को सीधे गेम में हराकर खिताब अपने नाम किया। उन्होंने रविवार को खेले गए मुकाबले में क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से शिकस्त दी। यह लक्ष्य के करियर का सातवां खिताब है।यही नहीं, लक्ष्य सेन दूसरा हाइलो ओपन खिताब है और ऐसा करने वाले वह पहले भारतीय हैं।

हाइलो ओपन में दिखा लक्ष्य का जलवा: लक्ष्य के लिए यह जीत इसलिए भी खास है, क्योंकि इस सीजन टूर पर उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा था। ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बाद उन्हें आठ बार पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में हाइलो ओपन का खिताब जीतना उनके लिए बड़ी राहत लेकर आया है। फाइनल में लक्ष्य ने शुरुआत से ही अच्छा खेल दिखाया, हालांकि पहले गेम में एक समय उनकी लय थोड़ी बिगड़ी। वह 18-10 की बढ़त बनाने के बाद कुछ ढीले पड़े और क्रिस्टी ने लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 17-18 कर दिया। लेकिन लक्ष्य ने समय रहते वापसी की और पहला गेम 21-17 से जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी ने कोई ढिलाई नहीं बरती। उन्होंने अपने तेज स्मैश, नेट पर शानदार मूवमेंट और सटीक शॉट्स के दम पर क्रिस्टी को दबाव में रखा। विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर मौजूद इंडोनेशियाई खिलाड़ी पूरे मुकाबले में अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करता नजर आया। लक्ष्य ने दूसरा गेम 21-10 से जीतकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। सेमीफाइनल में लक्ष्य ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। हाइलो ओपन में यह उनकी दूसरी खिताबी जीत है। इससे पहले उन्होंने 2021 में भी इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था। लक्ष्य ने अपना पिछला खिताब पिछले सीजन ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीता था। अब इस जीत के साथ उन्होंने लंबे समय से चले आ रहे खिताबी इंतजार को खत्म कर दिया है।